Metro News
02.11.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	Raj express	Bhopal	02.11.2023	05	अगले माह आएगी दूसरी मेट्रो, पैसेंजर रन के पहले दो रेल और दिलीवर होंगी	Neutral

भोपाल
गुरुवार, 2 नवम्बर 2023
महानगर
www.rajexpress.co
राज एक्सप्रेस
5

सुभाष नगर से एम्स के बीच शुरू होगा संचालन

अगले माह आएगी दूसरी मेट्रो, पैसेंजर रन के पहले दो रेल और डिलीवर होंगी

भोपाल। मेट्रो रेल की दूसरी खेप अगले महीने राजधानी पहुंच जाएगी। इसमें भी तीन कोच होंगे। मेट्रो का पैसेंजर रन शुरू करने के पहले ऐसी चार ट्रेनों की जरूरत होगी। यानी अगले साल जून-जुलाई के पहले बाकी दो रेल की भी डिलीवरी हो जाएगी। दो ट्रेन सुभाष नगर से एम्स स्टेशनों के बीच दौड़ेंगी और एक-दो बैकअप के तौर पर रखी जाएंगी।

भोपाल में सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच मेट्रो के ट्रायल रन को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तीन अक्टूबर को हरी झंडी दिखाई थी। इस रूट को एम्स तक बढ़ाया जाना है। यह मार्ग करीब साढ़े किमी लंबा होगा। एम्स तक मार्ग विस्तार करने की तैयारियां चल रही हैं। इसके लिए गणेश मंदिर के पास स्टील ब्रिज बनाया जाएगा। ब्रिज रानी कमलापति स्टेशन को डीआरएम ऑफिस स्टेशन से जोड़ेगा। यह राजस्थान के अलवर में बनाया जा रहा है। इधर, रानी कमलापति से सुभाष नगर

रूट के पांच स्टेशनों का फिनिशिंग कार्य तेजी से चल रहा है। लिफ्ट, एस्केलेटर्स, सिग्नल, ऑटोमैटिक डोर, स्टेशन व ट्रेन में पैसेंजर इंफोर्मेशन सिस्टम वगैरह की भी लगातार टेस्टिंग की जा रही है।

दो रूट के लिए आएंगी 27 ट्रेन

राजधानी में मेट्रो का पहला रूट एम्स से करोंद तक है। यह 16.77 किमी लंबा होगा। दूसरा डिपो चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक बनाया जाएगा। इसकी लंबाई 14.18 किमी रहेगी। दोनो रूट के लिए कुल 27 ट्रेनों की जरूरत का अनुमान मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने लगाया है। कोच के निर्माण का जिम्मा फ्रांस की अल्सटॉम इंडिया लिमिटेड को सौंपा गया है। कंपनी गुजरात में वड़ोदरा के पास स्थित सांवली प्लांट में कोच बना रही है। यहां बता दें कि तीन कोच की पहली मेट्रो ट्रेन 18 सितंबर को भोपाल पहुंची थी।

80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के मुताबिक ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 80 किमी प्रति घंटा रहेगी। ट्रायल रन की शुरुआत की 10-15 किमी प्रति घंटे से की गई थी। धीरे-धीरे इसे बढ़ाया जा रहा है। न्यूनतम दो हजार किमी के ट्रायल रन के दौरान अधिकतम गति से ट्रेन को दौड़ाया जाएगा।

दो-तीन साल में होगी ड्राइवरलेस

भोज मेट्रो को कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया है कि दो-तीन साल बाद इसे बिना किसी ड्राइवर के चलाया जा सकेगा। अफसरों ने बताया कि हर तीन मिनट में मेट्रो ट्रेन उपलब्ध कराने का टारगेट लेकर चल रहे हैं। इतना ही नहीं, जब प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा तो रोजाना मेट्रो में सात लाख लोग सफर कर सकेंगे।

खर्च 6941 करोड़, आधा कर्ज से जुटाएंगे

भोपाल में पहले चरण के मेट्रो रूट की कुल लंबाई 31 किमी है। इसमें दो मार्ग शामिल है। इन रूट पर मेट्रो दौड़ाने पर 6941 करोड़ रुपए खर्च होगा। केंद्र व राज्य सरकार इसकी 20-20 फीसदी राशि मुहैया कराएंगी। कर्ज के जरिए 50 प्रतिशत से अधिक राशि की व्यवस्था की जाएगी। राजधानी में मेट्रो के लिए यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक (ईआईबी) से लोन लिया जा रहा है। इंदौर में एशियन डेवलपमेंट बैंक ने ऋण मंजूर किया है।

08 Nov ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	Dainik Bhaskar	Bhopal	08.11.2023	14	गणेश मंदिर से डीआरएम ऑफिस के बीच गर्डर लॉन्चिंग बाकी, अप्रैल तक शुरू होगा ऑरेंज ट्रैक	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 08-11-2023 Pg-14

जल्द पूरी होगी मेट्रो स्माइल

गणेश मंदिर से डीआरएम ऑफिस के बीच गर्डर लॉन्चिंग बाकी, अप्रैल तक शुरू होगा ऑरेंज ट्रैक

भोपाल| सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन के बीच तीन कोच की भोपाल मेट्रो का ट्रायल रन होने के बाद अब आगे की तैयारियां 50 फीसदी पूरी हो चुकी हैं। ये काम रानी कमलापति स्टेशन से डीआरएम ऑफिस स्टेशन, अलकापुरी स्टेशन और एम्स स्टेशन के बीच किया जा रहा है। इस पूरे रूट पर ऑरेंज मेट्रो चलेगी। रत्नागिरी से भदभदा के बीच चलने वाली मेट्रो को ब्लू मेट्रो के नाम से जाना जाएगा।

03 कोच वाली मेट्रो जल्द चलने लगेगी

07 किमी हिस्सा बनते ही पूरा होगा ट्रैक

एम्स पर एलिवेटेड लाइनें जुड़ जाएंगी

गणेश मंदिर से डीआरएम स्टेशन के बीच रेलवे के साथ मिलकर मेट्रो कंपनी आरओबी ट्रैक बना रही है। इसका स्टील वर्क पूरा हो चुका है। स्टील गर्डर लॉन्चिंग के लिए रेलवे बोर्ड की इजाजत का इंतजार है। इसके बाद एम्स से डीआरएम स्टेशन तक आ चुकी एलिवेटेड लाइन और आरकेएमपी से गणेश मंदिर तक आ चुकी एलिवेटेड लाइन को आपस में जोड़ दिया जाएगा।

ऑरेंज रूट का काम पूरा होते ही आम लोगों के लिए अप्रैल में शुरू हो सकती है मेट्रो

एमडी मेट्रो रेल कंपनी मनीष सिंह का कहना है कि सुभाष नगर से एम्स के बीच 7 किमी लंबे ऑरेंज रूट का काम मार्च-अप्रैल तक पूरा लिया जाएगा। कस्टमर ऑपरेशन यानी आम लोगों के लिए मेट्रो का सफर अप्रैल महीने में शुरू कर दिया जाएगा।

MP Metro News

09 Nov ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	Rajexpress	Bhopal	09.11.2023	07	मेट्रो की शुरुआत में एक-दो महीने मिल सकता है मुफ़्त सफर का मौका	Neutral

www.rajexpress.co
राज एक्सप्रेस
महानगर
सूर्यास्त (गुरुवार): 05:38 सूर्योदय (शुक्रवार): 06:30
तापमान अधिकतम 33.2° न्यूनतम 16.9°
भोपाल
गुरुवार, 09 नवम्बर 2023

जून-जुलाई में मेट्रो के पैसेंजर रन की तैयारी, जॉय राइड के जरिए जोड़ेंगे लोगों को

मेट्रो की शुरुआत में एक-दो महीने मिल सकता है मुफ्त सफर का मौका

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में अगले साल जून-जुलाई में मेट्रो का पैसेंजर रन शुरू करने की तैयारी चल रही है। यह चालू होने पर एक-दो महीने तक मेट्रो में मुफ्त यात्रा करने का मौका मिल सकता है। इसका मकसद यह है कि जॉय राइड के जरिए अधिकांश लोगों, खास तौर से युवाओं को मेट्रो से जोड़ा जाए। इसकी अहमियत और खासियत से रूबरू कराया जाए। खुद के वाहनों की बजाय सुलभ और सस्ते पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाए।

केंद्र व राज्य सरकार से एम्स से करोंद और भदभदा चौराहा से खानिरी तिराहा तक मेट्रो रूट की अनुमति मिली है। पहले चरण में एम्स से करोंद मेट्रो रूट को शामिल किया गया। यह 13.4 किमी लंबाई में जमीन से ऊपर और 3.4 किमी हिस्सा अंडरग्राउंड होगा। इस रूट पर 14 एलिवेटेड और दो अंडरग्राउंड स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। हालांकि, चुनाव के पहले मेट्रो का ट्रायल रन शुरू करने के लिए केवल सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक के रूट को तैयार करने पर फोकस किया गया। इसके लिए शासन की ओर से सितंबर की समय सीमा तय की गई। कुछ दिन की देरी अक्टूबर की शुरुआत में ट्रायल रन शुरू भी हो गया। इसके साथ ही मौजूदा रूट को एम्स तक बढ़ाने का कार्य चल रहा है। सुभाष नगर से एम्स तक आम लोगों के लिए मेट्रो चलाई जाना है।

रानी कमलापति स्टेशन स्काय वॉक से जुड़ेगा: एम्स से सुभाष नगर के बीच आठ मेट्रो स्टेशन निर्माण का भूमिपूजन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नवंबर, 2021 में किया था। इसकी लागत 426 करोड़ 67 लाख रुपये है। सभी आठ एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त होंगे। दिल्ली जैसे शहरों की तरह ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम, फायर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम होंगे। एम्स, अलकापुरी, डीआरएम ऑफिस, रानी कमलापति स्टेशन, डीबी सिटी, एमपी नगर जोन 1, आयकर भवन और सुभाष नगर अंडरब्रिज के पास मेट्रो स्टेशन बनाए जा रहे हैं। दो साल में यह स्टेशन बनाने का टारगेट रखा गया है। इसका जिम्मा यूआरसी कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया गया है। रानी कमलापति से सुभाष नगर के बीच पांच स्टेशन में से अधिकांश तैयार होने की कगार पर पहुंच चुके हैं। मेट्रो ट्रेन के स्टेशन 100 मीटर लंबे और कम से कम 14 मीटर चौड़े होंगे।

खास बात यह होगी कि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को मेट्रो स्टेशन के साथ स्काय वॉक के माध्यम से जोड़ा जाएगा। इस मेट्रो स्टेशन का नाम भी रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन होगा। यहां पर मेट्रो का स्टेशन पहले रानी कमलापति परिसर में बनना था। फिर रेलवे की आपत्ति के बाद इसे बाहर बनाने का फैसला लिया गया।

Metro News
20.11.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	नई दुनिया सिटी	इंदौर	20.11.2023	01	ऐसी होगी हमारी मेट्रो.. दिव्यांगों की अंगुलियों पर लगाएगी दौड़	Neutral

इंदौर, सोमवार, 20 नवंबर, 2023

नईदुनिया सिटी

Pg-I

ऐसी होगी हमारी मेट्रो... दिव्यांगों की अंगुलियों पर लगाएगी दौड़...

मेट्रो के स्टेशन से लेकर अन्य तमाम जगहों पर लगाई जाएंगी ब्रेल लिपि की पट्टिकाएं ताकि दृष्टिहीन लोग भी निर्बाध कर सकें मेट्रो का उपयोग

राघव तिवारी

देश-प्रदेश में शासकीय व्यवस्थाओं पर अक्सर यह सवाल उठता है कि यहां सार्वजनिक सुविधाओं में दिव्यांगजनों का ध्यान नहीं रखा जाता। किंतु इंदौर मेट्रो के मामले में ऐसे सवाल नहीं उठ सकेंगे। दरअसल, इंदौर मेट्रो में दृष्टिहीन दिव्यांगजनों के लिए स्टेशन पर प्रवेश से लेकर कोच तक और कोच से लेकर वापस उतरने तक हर जगह ब्रेल लिपि की पट्टिकाएं लगाई जाएंगी। वहीं अन्य दिव्यांगजनों के लिए रैंप, व्हीलचेयर से आ-जा सकने सहित अन्य सुविधाएं तैयार की जाएंगी। स्वाभाविक है कि इससे इंदौर मेट्रो अधिक लोकतांत्रिक और मानवीय सेवा साबित होगी।

दिव्यांगों ने ज्यादातर क्षेत्रों में अपना परचम लहराकर अपने हौसले की मिसाल दी है। ऐसे में उनकी सुविधाओं को देखते हुए हर दफ्तर, सरकारी भवन, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन आदि में विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। ठीक ऐसी ही व्यवस्था इंदौर मेट्रो में देखने को मिलेंगी। यहां दृष्टिहीन दिव्यांगों के निर्बाध सफर के लिए अनेक सुविधाएं दी जाएंगी। इससे वे इंदौर मेट्रो के सफर में खुद को असहज महसूस नहीं करेंगे। मेट्रो के संचालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कमिश्नर आफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी (सीएमआरएस) की गाइडलाइन के हिसाब से सभी मेट्रो स्टेशन पर दिव्यांगों की सुविधाओं और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखना जाएगा। 30 सितंबर को मेट्रो का सेफ्टी ट्रायल किया जा चुका है। जल्द ही लोगों को मेट्रो की सुविधा मिलने लगेगी। बताया जाता है कि आर्थिक टीम की बैठक के बाद दिव्यांगों के लिए किराए में कुछ छूट भी दी जा सकती है।

कोच में निर्धारित स्थान- मेट्रो के हर कोच में दिव्यांगों की व्हीलचेयर के लिए एक स्थान निर्धारित किया जाएगा। जहां उनकी व्हीलचेयर ठहरने की व्यवस्था होगी। इस स्थान पर बैठने की रैक नहीं लगेगी।

दृष्टिहीन दिव्यांगों के लिए ये होंगी सुविधाएं

निश्शुल्क व्हीलचेयर
जो दिव्यांग स्टेशन पर कैब या अन्य वाहनों से आएंगे। उनके लिए हर मेट्रो स्टेशन पर व्हीलचेयर की सुविधा उपलब्ध रहेगी। कोच में भी व्हीलचेयर के लिए चौड़ा द्वार रखा जाएगा।

मेट्रो कोच में व्हीलचेयर के लिए जगह।

वेंडिंग मशीन- हर मेट्रो स्टेशन पर टिकट लेने के लिए वेंडिंग मशीन लगाई जाएगी। इनकी ऊंचाई दिव्यांगों के हिसाब से रखी जाएगी। इसके अलावा दिव्यांगों की मदद के लिए वालेंटियर भी रहेंगे।

ब्रेल लिपि- इंदौर मेट्रो के हर स्टेशन, मेट्रो कोच आदि में सूचना पट्टिकाओं में ब्रेल लिपि का प्रयोग किया जाएगा। इससे दृष्टिबाधित लोग इस पट्टिका को स्पर्श करके सूचना हासिल कर सकेंगे। इन पट्टिकाओं में प्रवेश, निकास, स्टेशन की जानकारी, प्लेटफार्म, गंतव्य ट्रेन की जानकारी समेत ज्यादातर जानकारियों को ब्रेल लिपि के माध्यम से लिखने का प्रयास किया जाएगा। लिफ्ट के बटनों में भी ब्रेल लिपि का प्रयोग किया जाएगा।

रैंप- दिव्यांगों को स्टेशन पर पहुंचने में कोई समस्या का सामना न करना पड़े इसके लिए रैंप का निर्माण किया जाएगा। इसमें लिफ्ट तक पहुंचने के लिए रैंप बनाया जाएगा ताकि दिव्यांग अपनी व्हीलचेयर से आसानी से लिफ्ट तक पहुंच सकें।

प्लेटफार्म पर स्पर्श पथ- दृष्टिबाधित लोगों को प्लेटफार्म पर कोई समस्या न हो इसके लिए प्लेटफार्म पर स्पर्श पथ बनाया जाएगा। यह एक तरह की उभरे हुए पत्थर का होगा। यह प्लेटफार्म के पास में समानांतर रूप से बनाया जाएगा। दृष्टिबाधित लोग पैर से ही इस उभरे पत्थर को महसूस कर सकेंगे और प्लेटफार्म पर ही ठहर सकेंगे।

जनसुविधा
सभी मेट्रो स्टेशनों पर दिव्यागों के लिए अलग से जनसुविधा की व्यवस्था रहेगी। इसमें लोअर वाशरूम और टायलेट की सुविधा रहेगी।

मेट्रो स्टेशन पर कुछ इस तरह से बनेंगे दिव्यांगों के लिए वाशरूम

स्मार्ट कार्ड पर ब्रेल लिपि- दृष्टिबाधित लोगों के लिए स्मार्ट कार्ड पर भी ब्रेल लिपि का प्रयोग किया जाएगा ताकि वह कार्ड स्पर्श करके कार्ड नंबर पता कर सके। हालांकि अब सामान्य रूप से भी डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड पर उभरे हुए अक्षरों का प्रयोग किया जाने लगा है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	नई दुनिया	इंदौर	20.11.2023	06	भोपाल में लोक चुनाव से पहले शुरू होगी मेट्रो	Neutral

नईदुनिया
इंदौर, सोमवार, 20 नवंबर, 2023
www.naidunia.com
6

भोपाल में लोस चुनाव से पहले शुरू होगी मेट्रो

भोपाल। विधानसभा चुनाव से पहले भोपाल में मेट्रो का ट्रायल रन पूरा हो गया। अब इसके कामर्शियल रन की तैयारी है। इसके लिए प्रायोरिटी कारिडोर का आवश्यक सिविल वर्क पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे लोकसभा चुनाव से पहले मेट्रो का कामर्शियल रन भी शुरू किया जा सके। कामर्शियल रन शुरू होने के एक महीने तक यात्रियों से किराया नहीं वसूला जाएगा। -नप्र

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
3	नव दुनिया	भोपाल	20.11.2023	02	मेट्रो का कमर्शियल रन अगले साल	Neutral

मेट्रो का कामर्शियल रन अगले साल

भोपाल(नवदुनिया प्रतिनिधि)। विधानसभा चुनाव से पहले भोपाल में मेट्रो का ट्रायल रन पूरा हो गया है। अब इसके कामर्शियल रन की तैयारी है। इसके लिए प्रायोरिटी कारिडोर सुभाष नगर डिपो से एम्स अस्पताल साकेत नगर तक आवश्यक सिविल वर्क पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे लोकसभा चुनाव से पहले मेट्रो का कामर्शियल रन भी शुरू किया जा सके। हालांकि कामर्शियल रन शुरू होने के एक महीने तक यात्रियों से किराया नहीं वसूला जाएगा। इस दौरान उन्हें जाय राइड कराई जाएगी। बता दें कि वर्तमान में एम्स से सुभाष नगर तक करीब सात किलोमीटर का मेट्रो ट्रैक तैयार हो गया है। इसमें सुभाष नगर से रानी कमलापति तक स्विनलिंग और विद्युतीकरण का काम भी किया जा चुका है। यहां अभी मेट्रो का सेफ्टी ट्रायल किया जा रहा है, जबकि रानीकमलापति से हबीबगंज नाके के बीच रेलवे लाइन के ऊपर स्टील ब्रिज का निर्माण होना है, जो जनवरी अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। मप्र मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि भोपाल में पहले चरण के संचालन के लिए प्रायोरिटी कारिडोर का 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। इसमें तीन माह तक ट्रायल रन करने के बाद मार्च 2024 में मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त इस मार्ग की संरक्षा को परखेंगे। उनके संतुष्ट होने के बाद प्रायोरिटी कारिडोर पर मेट्रो संचालन की अनुमति दी जाएगी।

- शुरुआती एक महीने तक निशुल्क जाय राइड कर सकेंगे यात्री

अप्रैल में शुरू हो सकता है कामर्शियल रन: देश में मई 2024 तक लोकसभा चुनाव होने की उम्मीद जताई जा रही है। इधर, भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कारिडोर का काम भी करीब 10 प्रतिशत बचा है। इसके पूर्ण होते ही कामर्शियल रन के लिए टेस्टिंग की जाएगी। अधिकारी संभावना जता रहे हैं कि अप्रैल 2024 के आखिरी सप्ताह तक मेट्रो का संचालन शुरू हो सकता है।

पांच स्टेशन तैयार, तीन का चल रहा काम: प्रायोरिटी कारिडोर में एम्स से सुभाष नगर के बीच कुल आठ स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, सरगम टाकीज, डीबी माल, केंद्रीय विद्यायल और सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन बनकर तैयार हो गए हैं, जबकि हबीबगंज नाका, अलकापुरी और एम्स अस्पताल के पास मेट्रो स्टेशन का काम तीव्र गति से किया जा रहा है।

दिव्यांगों के लिए सहज होगी मेट्रो की यात्रा: भोपाल मेट्रो में दिव्यांगों के लिए यात्रा करना आसान होगा। यहां स्टेशन, लिफ्ट और टिकट काउंटर पर दिव्यांगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा जा रहा है। यहां दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल लिपि का इस्तेमाल भी किया जाएगा। सीढ़ियों के साथ दिव्यांगों के लिए अलग से साइड रेलिंग और नीचे चलने के लिए विशेष प्रकार की टाइल्स लगाई जाएगी।

मेट्रो परियोजना

प्रोजेक्ट मंजूरी - 30 नवंबर 2018
एमओयू साइन हुआ - 19 अगस्त 2019
जॉइंट वेंचर की पहली बैठक - 29 दिसंबर 2020
प्रायरिटी कारिडोर में ट्रायल रन की सयम सीमा - सितंबर 2023
मेटी प्रोजेक्ट की कुल लागत - 6,941 करोड़ रुपये
प्रायरिटी कारिडोर - 6.2 किलोमीटर
ट्रायल रन(सुभाष नगर से आरकेएमपी) - तीन अक्टूबर 2023

मप्र मेट्रो का ट्रायल रन निर्धारित समय के अनुसार किया गया है। अब हमारी कोशिश है कि प्रायोरिटी कारिडोर में कामर्शियल रन भी जल्द शुरू कर दें। इसके लिए जो भी काम बचे हैं, उसे समय सीमा में पूर्ण करने के लिए अधिकारियों और कांट्रेक्टर को निर्देशित किया गया है।

- मनीष सिंह, एमडी मप्र मेट्रो

Metro News
21.11.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	हरि भूमि	भोपाल	21.11.2023	03	डीआरएम ऑफिस से एम्स तक ट्रैक बिछाने का काम शुरू	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, मंगलवार 21 नवंबर 2023
3

दिसंबर से खुलेगा डीआरएम ऑफिस के सामने वाला बंद रास्ता

डीआरएम ऑफिस से एम्स तक ट्रैक बिछाने का काम शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद सुभाष नगर से एम्स तक मेट्रो रूट का काम में फिर तेजी लाई जा रही है, जिसके तहत अब डीआरएम ऑफिस से एम्स तक ट्रैक बिछाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

डीआरएम ऑफिस हबीबगंज से अलकापुरी होते हुए एम्स तक बायडक्ट का काम पूरा हो चुका है। मध्य प्रदेश मेट्रो कंपनी ने अब ट्रैक की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिससे मार्च या अप्रैल 2024 तक दोनों तरफ का ट्रैक बिछ जाने की संभावना है। अभी सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक दूसरी तरफ के बचे ट्रैक को पूरा किया जा रहा है।

बाकी काम धीमी गति से चल रहे हैं, जिनमें तेजी नई सरकार के आने के बाद आएगी

डीआरएम ऑफिस से अलकापुरी होते हुए एम्स तक बायडक्ट का काम लगभग पूर्ण

ट्रैक बिछने से पहले बन जाएगा स्टील ब्रिज

मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार, एम्स तक ट्रैक बिछने से पहले हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग पर स्टील ब्रिज तैयार हो जाएगा। स्टील ब्रिज के पिलर तैयार हो गए हैं। जल्द अलवर से स्टील ब्रिज भोपाल पहुंचेगा।

ट्रैक, स्टील ब्रिज के आसपास बना बायडक्ट के ऊपर का काम पूरा हो जाएगा

अधिकारियों के अनुसार, डीआरएम ऑफिस के सामने बंद रास्ते को दिसंबर से खोल दिया जाएगा, क्योंकि ट्रैक, स्टील ब्रिज के आसपास बना बायडक्ट के ऊपर का काम पूरा हो जाएगा।

टिकट बुक कराने वाले यात्री होते रहे परेशान | भोपाल स्टेशन पर सर्वर डाउन होने से नहीं बन सके तत्काल के टिकट

राजधानी के भोपाल रेलवे स्टेशन पर सुबह से रेलवे का कंप्यूटराइज्ड आरक्षण सिस्टम सोमवार को फेल होने से तत्काल टिकट बनाने पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके चलते यहां पर तत्काल टिकट नहीं बन सके। इसके अलावा अन्य सामान्य टिकट भी करीब 12 बजे तक नहीं बन सके। इसके चलते रिजर्वेशन कराने पहुंचे सैकड़ों यात्रियों को मायूस होकर वापस लौटना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि त्यौहारी सीजन होने के चलते बड़ी संख्या में लोग टिकट बुक कराने पहुंचे थे। तत्काल टिकट बुकिंग सुबह 10 बजे बनाए जाते हैं। एक आईडी और एक ही आईपी एड्रेस से अधिकतम दो टिकट ही बुक किए जा सकते हैं। जानकारी के अनुसार, भोपाल स्टेशन पर तत्काल टिकट के समय सर्वर डाउन होने से तत्काल के टिकट नहीं बन सके। इसके चलते लोगों को परेशान होना पड़ा। घंटों तक लाइन में लगने के बाद लोगों को बिना टिकट के वापस लौटना पड़ा। टिकट बुक कराने पहुंचे लोगों ने बताया कि

सुबह जैसे ही तत्काल टिकट बुकिंग के समय पहुंचे। इसके कुछ देर बाद ही रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सर्वर डाउन है, अभी टिकट नहीं बन सकेगा। इसके चलते घंटों तक टिकट बनने के इंतजार में खड़े रहे, लेकिन बिना टिकट बनने ही वापस लौटना पड़ा।

Metro News
22.11.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	Times of India	Bhopal	22.11.2023	02	Bhopal Metro: RoB linking to AIIMS nears completion	Neutral

TIMES CITY
Pg-02
THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | WEDNESDAY, NOVEMBER 22, 2023

Bhopal Metro: RoB linking to AIIMS nears completion

Jamal.Ayub@timesgroup.com

Bhopal: Nearly two months since the much-hyped priority corridor trial run of the Bhopal metro, which was seen as a major achievement for the infrastructure project leading up to state elections, the Bhopal metro rail is making strides toward completing the next big highlight of the project — the railway-over-bridge (RoB) that will connect to AIIMS Bhopal.

According to sources at the Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL), steel girders and other support structures are now in place. Furthermore, with passenger travel scheduled for mid-2024, automatic fare collection systems and other related infrastructure are taking shape too.

It is expected that the girder launch of the RoB will take place in the next four weeks, with the elevated section on the side connecting to AIIMS Bhopal to be completed after the metro rail tracks are laid.

"First a temporary launching pad will be constructed and then a permanent one," said an official. The timing of the launch is contingent on Indian Railways, as the railway line serves as the primary connection between north and southbound trains.

The connection to AIIMS Bhopal will mark the completion of the original plan for the priority corridor, spanning around 6.2 kilometers. This segment is part of Line 2 (orange line) of the Bhopal metro, and upon completion, it will extend for about 15 kilometers, linking Karond to AIIMS Bhopal.

Meanwhile, following a well-deserved break during the festive season, the MPMRCL workforce is back on track, with Bhopal metro construction in full swing. Earlier in September, a trial run was undertaken from Subash Nagar, the metro depot to Rani Kamlapati station, with the five stations on the route receiving their finishing touches.

METRO TO RAISE REVENUE VIA SIGNAGES

The MPMRCL has put forward a proposal for the manufacturing, supply, installation, testing, and commissioning of signage and graphics for eight elevated stations (AIIMS to Subhash Nagar) of the orange line in the Bhopal metro rail project. Additionally, sixteen stations (Gandhi Nagar to Malviya Nagar Chauraha) of the yellow line in the Indore metro rail project, including the Bhopal and Indore metro depots, are also included in the proposal. The MPMRCL aims to generate revenue through the installation of signage.

File photo

METRO SMART CARD TO COST ₹230

The MPMRCL has called for the design, manufacture, supply, installation, testing, commissioning, and maintenance of an open-loop EMV NCMC card and QR code-based automatic fare collection (AFC) system. The AFC system will be implemented for both the Bhopal and Indore metro rail projects, with an estimated cost of Rs 230 crore. The fare for metro travel will be determined by a committee, and the introduction of the National Common Mobility Card (NCMC) is likely. The Bhopal Municipal Corporation (BMC) wholly-owned subsidiary, Bhopal City Link Limited, has already held consultations for the introduction of NCMC on city buses.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	Times of India	Indore	22.11.2023	02	Construction of the metro track at Radisson Square	Neutral

INDORE CITY Pg-02

www.freepressjournal.in INDORE | WEDNESDAY | NOVEMBER 22, 2023

TAKING A TURN

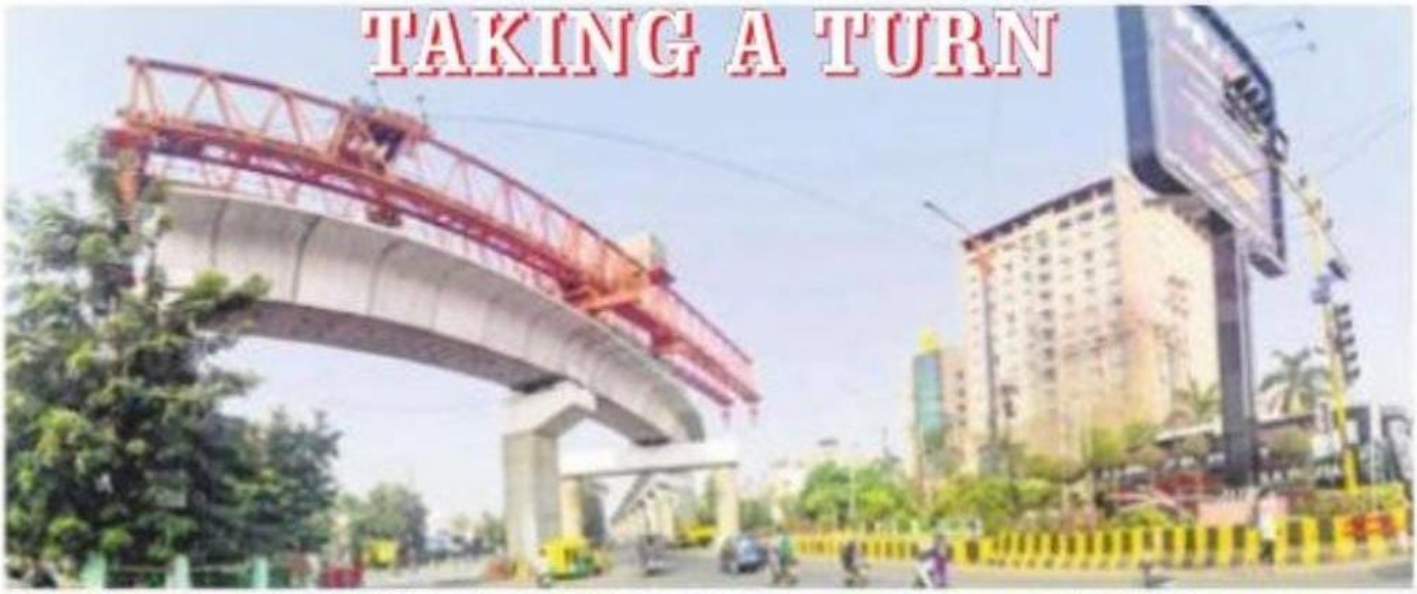

Construction of the metro track at Radisson Square. Pic by Pintu Namdev

Metro News
23.11.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	23.11.2023	03	स्टील ब्रिज के हिस्से आए, रेल्वे लाइन के उपर खड़ा करने के लिए लेंगे ब्लॉक	Neutral

www.rajexpress.co
राज एक्सप्रेस
3
महानगर
सूर्यास्त (गुरुवार): 05:34
सूर्योदय (शुक्रवार): 06:39
तापमान अधिकतम 30.5° न्यूनतम 15.6°
भोपाल
गुरुवार, 23 नवम्बर 2023

मेट्रो: गणेश मंदिर के पास बनेगा ब्रिज, रानी कमलापति स्टेशन को डीआरएम ऑफिस स्टेशन से जोड़ेगा

स्टील ब्रिज के हिस्से आए, रेलवे लाइन के ऊपर खड़ा करने के लिए लेंगे ब्लॉक

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में सुभाष नगर से एम्स के बीच मेट्रो संचालन के लिए अहम स्टील रेलवे ओवरब्रिज के हिस्से आ गए हैं। अब इनको जोड़कर (असेंबल) रेलवे लाइन के साथ ही सड़क के ऊपर ब्रिज तैयार किया जाएगा। पटरी के ऊपर इस कार्य के लिए रेलवे की अनुमति से ब्लॉक लेना पड़ सकता है। सड़क पर ब्रिज खड़ा करने के लिए भी ट्रैफिक डायवर्ट किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच मेट्रो के ट्रायल रन को तीन अक्टूबर को हरी झंडी दिखाई थी। इस रूट को एम्स तक बढ़ाया जाना है। यह मार्ग करीब साढ़े सात किमी लंबा होगा। इस मार्ग पर अगले साल मई-जून में पैसेंजर रन शुरू करने का टारगेट हैं। मौजूदा स्थिति में सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक लगभग पांच किमी लंबा रूट तैयार है। इसे एम्स से जोड़ने के लिए स्टील ब्रिज जरूरी है। यह गणेश मंदिर के पास रेलवे लाइन के ऊपर करीब 65 मीटर लंबा स्टील ब्रिज बनाया जाएगा। ब्रिज रानी कमलापति स्टेशन को डीआरएम ऑफिस स्टेशन से जोड़ेगा। यह बनने के बाद ही मेट्रो एम्स से सीधे जुड़ जाएगी। एम्स में रोजाना हजारों लोग राजधानी समेत प्रदेश के अन्य स्थानों से आते हैं। उनके लिए मेट्रो काफी सुविधाजनक रहेगी और ट्रेन को पर्याप्त यात्री मिल सकेंगे। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने रेलवे से अनुमति मिलने के बाद स्टील ब्रिज का निर्माण राजस्थान के अलवर में कराया है।

अधिकारियों के मुताबिक कुछ दिन पहले ब्रिज के हिस्से आ गए हैं। अब इनको असेंबल यहीं किया जाएगा। फिर रेलवे लाइन और सड़क के ऊपर ब्रिज जोड़ कर तैयार किया जाएगा।

तीन स्टेशनों का तेजी से चल रहा काम

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक मेट्रो रूट का सिविल वर्क लगभग पूरा हो चुका है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सुभाष नगर से एम्स तक आठ एलिवेटेड स्टेशन निर्माण का जिम्मा यूआरसी कंस्ट्रक्शन को नवंबर, 2021 में दिया था। इस पर 426.67 करोड़ रुपए खर्च किया जा रहा है। ट्रायल रन को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने इसके पांच स्टेशन सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय, बोर्ड ऑफिस चौराहा, एमपी नगर और रानी कमलापति पर फोकस किया। यह स्टेशन लगभग तैयार हो चुके हैं। फिनिशिंग वर्क चल रहा है। अब रूट के अगले स्टेशनों डीआरएम ऑफिस, अलकापुरी और एम्स का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसमें डीआरएम ऑफिस और एम्स स्टेशन पर कॉनकोर्स का काम कुछ महीने पहले पूरा हो चुका है। मौजूदा स्थिति में सभी स्टेशन जमीन से साफ नजर आने लगे हैं।

स्टेशन-ब्रिज बनने के बाद एम्स तक ट्रायल रन

स्टील का आरओबी और तीनों स्टेशन तैयार होने के बाद मेट्रो का ट्रायल रन सुभाष नगर से एम्स के बीच शुरू होगा। खासतौर से रानी कमलापति से एम्स के बीच मेट्रो चलाकर परीक्षण किया जाएगा। कंट्रोल, ऑटोमैटिक डोर, पैसेंजर इंफोर्मेशन सिस्टम, ऑटोमैटिक डोर, स्टेशनों पर फायर फाइटिंग सिस्टम, लिफ्ट, एस्केलेटर्स की टेस्टिंग की जाएगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	Free Press	Bhopal	23.11.2023	02	Two new sets of Metro Train to reach Bhopal next month	Neutral

BHOPAL
www.freepressjournal.in INDORE / BHOPAL | THURSDAY | NOVEMBER 23, 2023

Two new sets of Metro train to reach Bhopal next month

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

Two new sets of Metro trains will reach Bhopal in the month of December. Already one metro train of three coaches has arrived in Bhopal and is undergoing safety-related trials. In the meantime, metro officers are working tirelessly to ensure that the metro becomes available to people of the state capital by the month of April- June.

As of now, the second railway line is being laid down for metro trains. So far, a three km railway line has been laid down. As far as two new Metro sets are concerned then they will arrive from Savli village of Gujrat.

Alstom company is manufacturing the metro coaches. The coaches are 2.9 meters wide and 22 meters in length.

A senior officer of the Bhopal Metro Project told Free Press ``We are expecting two new sets of metro trains by December end. The sets will arrive from the manufacturing plant of Alstom company situated in Sanvli of Gujrat. The work of laying down the second line for the metro is underway and so far, a three km railway line has been laid,".

He said a team from Research Design and Standard Organisation (RDSO) will do the necessary tests. After this, the Commissioner of Railway Safety will carry out the inspection of the Metro station and other things. Permission to operate Metro trains will be given after these multi-layer inspections.

Sources said the project work is delayed as labourers have gone home during Diwali.

In the meantime, the first set of Metro trains, which arrived for trial tests on October 3, is undergoing myriad kinds of tests after regular intervals of time.

Metro News
25.11.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
01	हरि भूमि	भोपाल	25.11.2023	05	नए साल की शुरुआत में आएंगी २ और नई ट्रेन	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शनिवार 25 नवंबर 2023

नए साल की शुरुआत में आएंगी और दो मेट्रो

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में मेट्रो की दो और ट्रेन नए साल के शुरू में पहुंच जाएंगी। इनको मिलाकर कुल तीन ट्रेन हो जाएंगी, जिससे सुभाष नगर से एम्स आने-जाने के लिए पब्लिक को हर दो मिनट में मिल जाएगी।

जबकि राजधानी में कुल 27 मेट्रो ट्रेन आना है, जो ऑरेंज और ब्लू लाइन पर चलना है। एम्स से करोंद तक 16.74 किलोमीटर की ऑरेंज मेट्रो लाइन है। इसमें से सुभाष नगर और एम्स के बीच काम अंतिम चरण का युद्ध स्तर पर चल रहा है। यह काम पूरा होने के बाद तीन ट्रेन पब्लिक के लिए उपलब्ध हो जाएंगी।

नए साल में मई या जून तक सुविधा मिलेगी

दो नई ट्रेन नए साल के शुरू में आने से पहले सुभाष नगर से करोंद के बीच के प्रस्ताव काम का भूमिपूजन भी हो जाएगा। इसमें दो किलोमीटर अप एंड डाउन टनल, दो अंडर ग्राउंड मेट्रो स्टेशनए ड्रेनेज, आर्किटेक्चर फिनिशिंग समेत अन्य काम शामिल हैं।

Metro News
26.11.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	Dainik Bhaskar	Bhopal	26.11.2023	03	मेट्रो: ऊपर डली हाई टेंशन लाइन जमीन के अंदर बिछेगी	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 26-11-2023

मेट्रो: ऊपर डली एक किमी हाईटेंशन लाइन जमीन के अंदर बिछेगी

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

मेट्रो की लाइन की जद में आ रही एक किलोमीटर लंबी ओवर हेड एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन को अंडरग्राउंड बिछाने का काम शुरू हो गया है। 132 केवी क्षमता की यह एक किमी लाइन एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन गोविंदपुरा से संत हिरदाराम नगर तक की ओवर हेड एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन का हिस्सा है। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के दायरे में आने वाली यह बिजली लाइन 1008 मीटर सिंगल सर्किट लाइन है।

ट्रांसमिशन कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि 10 करोड़ रुपए की लागत से मेट्रो द्वारा यह काम कराया जा रहा है। अगले साल मार्च तक यह काम पूरा कर लिया जाएगा। करोंद इलाके में ही ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा करुण चौराहे से एटीएम तक मेट्रो के लिए 132 केवी क्षमता की एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन जमीन के अंदर बिछाई जा रही है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
02	Patrika	Bhopal	26.11.2023	02	जीओए -4 तकनीक से खुद चलेगी मेट्रो	Neutral

पत्रिका
भोपाल, रविवार, 26 नवंबर 2023
SUNDAY 02
patrika.com

जीओए- 4 तकनीक से खुद चलेगी मेट्रो

भोपाल. ओरेंज मेट्रो जीओए-4 तकनीकी आधारित है, यानि ये ड्रायवरलेस है। शुरुआत में इसे ड्रायवर के साथ जीओए-2 तकनीक से चलाया जाएगा, कुछ समय बाद पूरी तरह से ऑटोमेटेड कर दिया जाएगा। पटरियों में 750 डीसी करंट ठीक वैसे ही काम करेगा जैसे सामान्य ट्रेनें पटरियों के उपर बिजली लाइन ओएचई लाइन से पैंटोग्राफ लगाकर करंट लेती है। पटरियों से मेट्रो का इंजन करंट लेगा और दौड़ेगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
3	Dainik Bhaskar	Indore	26.11.2023	02	मेट्रो की रफ़्तार: 2026 में 33 किलोमीटर का रिंग पूरा, 2028 के सिंहस्थ में उज्जैन तक आएगी मेट्रो	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 26-11-2023

दैनिक भास्कर इंदौर

देश के टॉप 10 शहरों में शामिल हो चुके इंदौर में मेट्रो ट्रेन ने भी तेज रफ्तार पकड़ ली

मेट्रो की रफ्तार : 2026 में 33 किलोमीटर का रिंग पूरा, 2028 के सिंहस्थ में उज्जैन तक जाएगी मेट्रो

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देश के टॉप 10 शहरों में शामिल हो चुके इंदौर में मेट्रो ट्रेन ने भी तेज रफ्तार पकड़ ली है। पिछले दिनों इंदौर में मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन कर लिया गया है। अगले साल अप्रैल-मई से कमर्शियल रन भी शुरू होना तय है। मेट्रो ट्रेन का इंदौर में शुरू होना यहां की ग्रोथ को नई ऊंचाई देगा। पहले करीब साढ़े किलोमीटर का काम लगभग पूरा हो गया है, जिस गति से यहां काम चल रहा है 2026 तक 33 किलोमीटर का पूरा रिंग तैयार होकर मेट्रो का शहरी सफर पूरा हो जाएगा।

17.5 किमी एलिवेटेड कॉरिडोर पर चल रहा है काम

5.9 किमी के कॉरिडोर पर ट्रायल हो चुका

140 मीटर लंबे और 21 मीटर चौड़े एरिया में बन रहा स्टेशन

सरकार ने 2028 में होने वाले उज्जैन सिंहस्थ को देखते हुए इंदौर से उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने का संकल्प ले लिया है। सर्वे सहित अन्य कागजी कार्रवाई भी शुरू हो गई है। उज्जैन ही नहीं महू और पीथमपुर तक भी मेट्रो चलाने पर सहमति बन गई है। यह साकार होते हैं इंदौर, अहमदाबाद, जयपुर और नागपुर जैसे शहरों के साथ कदमताल करता दिखाई देगा। उद्योग, व्यापार, शिक्षा सहित हर क्षेत्र में ग्रोथ मिलेगी। मेट्रो के एमडी मनीष सिंह का कहना है कि गांधीनगर से रेडिसन चौराहा तक काम अगले साल के अंत तक पूरा कर लेंगे। वहां यात्री सेवा शुरू हो जाएगी। अंडरग्राउंड के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। कोशिश है, 33 किलोमीटर का पहला चरण 2026 अंत तक पूरा हो जाएगा।

खास है हमारी मेट्रो : ड्राइवर तो ठीक अटेंडेंट की भी जरूरत नहीं होगी इसमें

इंदौर में मेट्रो शुरू करने का सफर इतना आसान नहीं है। इसकी यात्रा करीब 2015 में शुरू हुई थी। इसे लेकर पहली बार सरकार ने योजना बनाई थी। 2 साल तक चर्चा के बाद 2017 में इंदौर और भोपाल में मेट्रो शुरू करने को लेकर कैबिनेट में मंजूरी मिली थी। राजनीतिक खींचतान के चलते 2019 में पहली बार और 2021 में दूसरी बार इंदौर मेट्रो को लेकर अलग-अलग सरकार ने शिलान्यास किया था। मार्च 2022 से काम में तेजी आई और अक्टूबर में करीब 6 किलोमीटर का ट्रायल रन हो सका। इंदौर की मेट्रो तकनीकि रूप से अन्य शहरों में पहले से चल रही ट्रेनों से एडवांस है। इंदौर मेट्रो के लिए ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन-4 यानी जीओए-4 तकनीक का उपयोग किया गया है। ड्राइवर गाड़ी में हो या ना हो, यात्रा सुरक्षित रहेगी। अन्य शहरों में जीओए-2 व अहमदाबाद में जीओए-3 तकनीक वाली मेट्रो चल रही है, जिसमें अटेंडेंट होता है। जीओए-4 में अटेंडेंट की भी जरूरत नहीं है।

35 साल में बचेंगे 1000 करोड़ रुपए

इंदौर, हमारी मेट्रो की डिजाइन कई मायनों में देश की दूसरी मेट्रो से कुछ अलग है। इसके सिस्टम में ट्रेन पूरी तरह अनअटेंडेड ऑपरेशन मोड पर चलती है। आपात स्थिति में भी ट्रेन चालू करना और रोकना सब कुछ स्वचालित और कमांड सेंटर से नियंत्रित होता है। मेंटेनेंस के बाद डिपो से ट्रैक पर आने और वापस डिपो जाने तक इसका पूरा नियंत्रण कमांड सेंटर से ही होगा। अनुमान है ड्राइवरलेस होने से मेट्रो कंपनी 35 साल (कोच की आयु में मैन पावर और ऊर्जा मद में 800 से 1000 करोड़ रुपए की बचत कर सकेगी। भविष्य में वीडियो एनालिटिक्स और फेस वीडियो फेस रिकग्निशन टेक्निक सिस्टम भी होगा। इससे संदिग्ध, अपराधियों की पहचान हो सकेगी। ड्राइवरलेस मेट्रो के लिए सिग्नल सिस्टम अलग होगा। इसके कारण एक-दूसरे से बहुत कम अंतर से मेट्रो चलाई जाएगी। स्टेशन, कोच, पटरियों में जीपीएस, हाई रेजोल्यूशन कैमरे के लगेंगे। सभी ट्रेन आपस में इस तरह कनेक्ट होंगी कि उन्हें एक-दूसरे की पोजिशन का पता होगा। इससे वे अपनी स्पीड ऐसी रखेंगी कि एक-दूसरे के बीच निश्चित दूरी रहे।

जयपुर, अहमदाबाद और नागपुर से हम बेहतर

जयपुर में करीब नौ साल पहले ही मेट्रो आ चुकी है। 2012 में वहां मेट्रो आ गई थी। अभी 11 किमी के हिस्से में इसे चलाया जा रहा है। रोजाना 50 हजार यात्री मिलते हैं। शहर में ही चल रही है। 4 किमी का काम चल और रहा है। यहां सेकंड फेज का काम कोरोना काल में शुरू हुआ। तीसरे व चौथे फेज का शिलान्यास अभी हुआ है। अहमदाबाद में 40 किमी का मेट्रो नेटवर्क है। डेढ़ साल पहले ही कमर्शियल रन शुरू हुआ। भूमिपूजन 2015 में हुआ था। पहले चरण में कमर्शियल रन मार्च 2019 में ही शुरू हो गया था। 2 अक्टूबर 2022 को पूरे रूट पर कमर्शियल रन शुरू किया गया। फिलहाल रोजाना 70 हजार यात्री एक दिन में इसकी सवारी कर रहे हैं। नागपुर में 40 किमी में मेट्रो चल रही है। 38 में से 37 स्टेशन शुरू हो के हैं। मार्च 2019 से दिसंबर 2022 में चार चरणों में काम पूरा हुआ। अभी रोज 85 से 90 हजार यात्री सफर कर रहे। नेशनल हाईवे के समानांतर मेट्रो चलती है। नागपुर मेट्रो के अखिलेश हालवे कहते हैं, सड़कों पर गाड़ियां कम हुई हैं। रोज सफर करने वालों में 35 फीसदी छात्र हैं।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
4	Dainik Bhaskar	Indore	26.11.2023	02	मेट्रो स्टेशन के साथ मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब जोड़ेंगे शहर के दो छोर	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 26-11-2023

जीएसआईटीएस में हो रहे रिसर्च के आधार पर तैयार की रिपोर्ट

मेट्रो स्टेशन के साथ मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब जोड़ेंगे शहर के दो छोर

तैयारी– बीआरटीएस, मेट्रो, इंटरमिडिएट पब्लिक ट्रांसपोर्ट के बीच कनेक्टिविटी भी होगी

फायदा– आईपीटी को इनसे जोड़ते हुए हब बनेंगे तो लोगों को मिलेंगी लास्ट माइल कनेक्टिविटी

सुझाव– वर्तमान में चार स्थानों पर बनाएं तो रेलवे स्टेशन-बस स्टैंड भी जुड़ सकेंगे मेट्रो से

भास्कर संवाददाता | इंदौर

शहर की ट्रैफिक समस्या का समाधान कैसे करें, इस ज्वलंत सवाल के लिए शहर के युवा अपने शोध, प्रोजेक्ट के विषयों में प्राथमिकता के साथ अध्ययन भी कर रहे हैं। नतीजा लोगों की रोजमर्रा की आवाजाही सुगम कैसे हो? आने वाले और जाने वाले लोगों को सुविधाजनक लोक परिवहन कहां मिलें? पैदल चलने वालों को फुटपाथ खाली मिल सकें? वाहनों को पार्क करने की जगह मिलें? लोक परिवहन को लास्ट माइल कनेक्टिविटी तक कैसे उपयोगी बनाएं? जैसे सवालों के जवाब भी मिल रहे है। जीएसआईटीएस में हो रहे रिसर्च के आधार पर मेट्रो, बीआरटीएस, आइएसबीटी और इंटरमीडिएट पब्लिक ट्रांसपोर्ट को जोड़ते हुए मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनाने का सुझाव सरकार को दिया गया है। जिससे बाहर से आने वाले, बाहर जाने वाले और शहर में एक से दूसरे छोर तक पहुंचने के लिए लास्ट माइल कनेक्टिविटी के साथ पब्लिक ट्रांसपोर्ट मिल सकें।

इंटीग्रेटेड टर्मिनल बनाएंगे, ताकि लोगों की यात्रा पर ब्रेक न हो

विशेषज्ञों का कहना है, वर्तमान में लोक परिवहन का इंटीग्रेशन नहीं होने से लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने के लिए समय अधिक लगता है। इंटीग्रेटेड टर्मिनल नहीं होने से ब्रेक जर्नी में भी परेशानी होती है। इन मुश्किलों के कारण लोग लोक परिवहन का उपयोग कम करते हैं। मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब इस तरह की समस्याओं को दूर करेंगे। इन हब पर सभी लोक परिवहन व उपनगरीय सेवाएं उपलब्ध रहेगी।

जीएसआईटीएस सिविल विभाग के विभागाध्यक्ष संदीप नारुलकर का कहना है, शहर में सुगम लोक परिवहन, पैदल यात्रियों के फुटपाथ आदि पर अध्ययन करवा रहे है। इसी के आधार पर स्थानीय प्रशासन और सरकार को सुझाव देते हैं। यह हब विकसित हो रहे इंदौर, व्यस्ततम मध्य शहर में होने से आवासीय क्षेत्रों से व्यावसायिक क्षेत्रों तक आवाजाही को भी सुगम बनाएंगे।

इन स्थानों पर बनाने की तैयारी

विजय नगर– बीआरटीएस और एमआर-10 के जक्शंन पाईंट पर मेट्रो, बीआरटीएस और सिटी बसों की आवाजाही होती है। इन सड़कों पर आईपीटी यानी ई रिक्शा, बेन और मेजिक भी उपलब्ध है। इसके लिए वर्तमान में विजय नगर चौराहे के समीप खाली जगह को मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के तौर पर विकसित कर सकते हैं। यहां पर मेट्रो, बीआरटीएस के स्टेशन तो बन रहे हैं। उपनगरीय , सिटी बसों और आईटीपी के लिए भी यहां टर्मिनल पाईंट बना दिया जाए तो लोगों को आसानी होगी।

राजीव गांधी चौराहा - यहां पर रिंग रोड, बीआरटीएस-एबी रोड राउ-राजेन्द्र और बायपास को जोडने वाले एमआर-3 का जंक्शन है। इंदौर के बड़े आवासीय क्षेत्र के तौर पर विकसित हो रहा है। इस चौराहे के आसपास एक मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब तैयार किया जाए तो स्थानीय लोगों के साथ ही शहर के आउटर में बन रहे आईएसबीटी और बस स्टैंड से कनेक्टिविटी आसान होगी। लोग बीआरटीएस, मेट्रो का उपयोग करके विकसित हो रहे कमर्शियल एरिया में आवा-जाही कर सकेंगे। यह टर्मिनल पूर्वी और पश्चिम क्षेत्र को तेज गति के लोक परिवहन से जोड़ेंगे।

आइएसबीटी एमआर-10–यहां पर इंटर स्टेट बस टर्मिनल बन रहा है। इसे मेट्रो स्टेशन से भी जोड़ा गया है। इसके समीप से ही रेलवे लाइन गुजर रही है। यह पश्चिम रिंग रोड-एमआर-4 का भी आखिरी छोर है। यहां पर रेलवे का स्टाप बना कर, लोकल ट्रेन, यात्री बस, उपनगरीय बस, सिटी बस और आईटीपी का जक्शंन बना सकते हैं। इससे यहां से सभी इंटर स्टेट सर्विसेस की बसेस को जोड कर पूर्व व पश्चिम शहर में आवाजाही आसान की जा सकती है।

रेलवे स्टेशन-सरवटे बस स्टैंड– यह मध्य शहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां शहर का मुख्य रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड है।

मेट्रो लाइन के आसपास होगा टीओडी

मेट्रो लाइन बनने के बाद इस क्षेत्र में ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलमेंट होगा। जिससे लाइन के दोनों ओर कमर्शियल विकास तेजी से होगा। इन टर्मिनल के बनने से सुपर कॉरिडोर, एयरपोर्ट और भविष्य में बनने वाले इकानॉमिक कॉरिडोर तक आवाजाही आसान होगी।

Metro News
27.11.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	TIMES OF INDIA	BHOPAL	27.11.2023	02	SELFIE IN A METRO	Neutral

TIMES CITY

THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | MONDAY, NOVEMBER 27, 2023

Pg-02

SELFIE IN A METRO

A Moeed Faruqui

Well before its official launch, anticipation is running high among Bhopalis for the upcoming metro. At the mock-up of the Metro train, stationed at Bhopal's Smart City Park, enthusiastic 'passengers' can be observed eagerly taking selfies on Sunday

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	पीपुल्स समाचार	भोपाल	27.11.2023	03	मेट्रो का कमर्शियल रन अप्रैल तक, एक माह तक मिल सकती है ‘जॉय राइड’ की सुविधा	Neutral

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

न्यूज़ पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार

भोपाल सिटी Page: 3 November 27, 2023

तीन माह तक ट्रायल रन के बाद रेल सुरक्षा आयुक्त करेंगे निरीक्षण

मेट्रो का कमर्शियल रन अप्रैल तक, एक माह तक मिल सकती है ‘जॉय राइड’ की सुविधा

पीपुल्स संवाददाता • भोपाल
मो.नं. 9300697983

राजधानी में मेट्रो का ट्रायल रन हो चुका है। जल्द ही मेट्रो का कमर्शियल ऑपरेशन शुरू किया जाना है, ताकि आम लोग इसमें सफर कर सकें। कंपनी मई 2024 में संभावित लोकसभा चुनावों से पहले यानी अप्रैल में कमर्शियल ऑपरेशन शुरू कर सकती है। अहम बात ये है कि कमर्शियल ऑपरेशन के शुरुआती एक महीने मेट्रो आम शहरी को ‘जॉय राइड’ यानी मुफ्त सफर कराने की तैयारी में है।

वर्तमान में एम्स से सुभाष नगर तक करीब सात किलोमीटर का मेट्रो ट्रैक तैयार हो गया है। इसमें सुभाष नगर से रानी कमलापति तक सिग्नलिंग और विद्युतीकरण का काम भी किया जा चुका है। यहां अभी मेट्रो का सेफ्टी ट्रायल किया जा रहा है। रानी कमलापति से हबीबगंज नाके के बीच रेलवे लाइन के ऊपर स्टील ब्रिज का निर्माण होना है। यह काम जनवरी अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। इधर, मप्र मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि भोपाल में पहले चरण के संचालन के लिए प्रॉयोरिटी कॉरिडोर का 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। तीन माह तक ट्रायल रन करने के बाद मार्च 2024 में मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त इसको परखेंगे। इसके बाद प्रॉयोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो संचालन की अनुमति दी जाएगी।

क्यों मिलेगी जॉय राइड की सुविधा: दरअसल, देश के जिन भी शहरों में मेट्रो की शुरुआत की गई, वहां शुरुआती 15, 20 और 30 दिन तक मेट्रो को आम शहरी के लिए मुफ्त चलाया गया। इसे ‘जॉय राइड’ का नाम दिया गया है। हालांकि भोपाल मेट्रो कितने दिन की ‘जॉय राइड’ कराएगी, ये कमर्शियल ऑपरेशन पर ही पता लगेगा। हालांकि सूत्रों की मानें तो इसे एक महीने रखा जा सकता है।

अप्रैल में शुरू हो सकता है कमर्शियल रन: मई 2024 तक लोकसभा चुनाव होने की उम्मीद है। इधर, भोपाल मेट्रो के प्रॉयोरिटी कॉरिडोर का काम भी करीब 10 फीसदी बचा है। इसके पूरा होते ही कमर्शियल रन के लिए टेस्टिंग की जाएगी। अधिकारी संभावना जता रहे हैं कि अप्रैल 2024 के आखिरी सप्ताह तक मेट्रो का संचालन शुरू हो जाएगा।

पांच स्टेशन बनकर तैयार, तीन का अभी चल रहा काम

प्रॉयोरिटी कॉरिडोर में एम्स से सुभाष नगर के बीच कुल आठ स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, सरगम टॉकीज, डीबी माल, केंद्रीय विद्यायल और सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन बनकर तैयार हो गए हैं। हबीबगंज नाका, अल्कापुरी और एम्स के पास मेट्रो स्टेशन का काम तेज रफ्तार से चल रहा है।

दिव्यांगों के लिए आसान होगी मेट्रो की यात्रा, लिफ्ट भी रहेगी

मेट्रो में दिव्यांगों के लिए यात्रा आसान होगी। यहां स्टेशन, लिफ्ट और टिकट काउंटर पर उनकी सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। यहां ब्रेल लिपि का इस्तेमाल भी किया जाएगा। सीढ़ियों के साथ अलग से साइड रेलिंग और नीचे चलने के लिए विशेष प्रकार की टाइल्स लगाई जाएंगी।

> मेट्रो का ट्रायल रन तय डेडलाइन में किया जा चुका है। अब हमारी कोशिश है कि मेट्रो कमर्शियल ऑपरेशन भी जल्द शुरू किया जाए। इसके लिए बचे हुए कामों को जल्द से जल्द पूरा किया जा रहा है। – **मनीष सिंह**, एमडी, मप्र मेट्रो

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
3	पीपुल्स समाचार	इंदौर	27.11.2023	03	रेडिसन के आगे शुरू हुआ मेट्रो प्रोजेक्ट का काम	Neutral

पीपुल्स समाचार
बदलते जमाने का अखबार
न्यूज़ पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार
इंदौर सिटी Page: 3 November 27, 2023

रेडिसन के आगे शुरू हुआ मेट्रो प्रोजेक्ट का काम

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
मो.नं. 9926064287

सेकंड फेज के कार्य को लेकर कॉर्पोरेशन की तैयारी

राज्य शासन के मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के प्रथम चरण का काम 80 फीसदी तक पूरा हो चुका है। शेष काम द्रुतगति से चल रहा है। फेज अंतर्गत पिछले दिनों सुपर कॉरिडोर पर डिपो से 5 किलोमीटर तक तीन कोच चलाकर ट्रॉयल रन लिया गया है। प्रथम चरण के अंतिम छोर रेडिसन चौराहा तक सेंगमेट, पीलर का काम पूरा होना है। इसी बीच मेट्रो कॉर्पोरेशन द्वारा दूसरे चरण का काम रेडिसन चौराहा से आगे शुरू किया जा रहा है। अब मेट्रो ट्रैक धीरे-धीरे पूर्वी रिंगरोड की दिशा में भी कदम बढ़ा रहा है। विजयनगर की ओर से रेडिसन चौराहे तक पहुंचने के बाद ट्रैक रिंगरोड की ओर मुड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। रेडिसन चौराहे पर यह ट्रैक अर्द्धचंद्राकार होकर 90 डिग्री टर्न लेगा और रोबोट चौराहे की ओर मुड़ जाएगा। फर्स्ट फेज में अभी रोबोट चौराहे पर बन रहे मेट्रो स्टेशन तक ही मेट्रो ट्रेन पहुंचेगी। सेकंड फेज में रोबोट चौराहे से बंगाली चौराहा होते हुए पलासिया की ओर ट्रैक बनाया जाएगा। हालांकि वर्तमान में चल रहा ट्रैक बनाने का काम काफी धीमी गति से चल रहा है। अब ट्रॉयल रन के समय चल रहे काम जैसी फुर्ती नहीं दिखाई दे रही है। अब तक बने ट्रैक पर एक ही स्टेशन तैयार हुआ है, जबकि मेट्रो ट्रेन कॉर्पोरेशन के अधिकारियों का कहना है कि अगले साल मार्च तक ट्रॉयल रूट पर कमर्शियल रन प्रारंभ कर देंगे। फिलहाल गांधीनगर से लवकुश चौराहे तक पियर्स लग चुके हैं। स्टेशन का काम चल रहा है। लवकुश चौराहे से एमआर-10 चौराहा तक अभी पियर्स नहीं लगे हैं।

Metro News
29.11.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	हरि भूमि	भोपाल	29.11.2023	03	मेट्रो का रानी कमलापति स्टेशन से एम्स तक के कॉरिडोर का काम भी अब 24 घंटे चलेगा	Positive

सुभाष नगर से आरकेएमपी तक भी चला था चौबीस घंटे काम

मेट्रो का रानी कमलापति स्टेशन से एम्स तक के कॉरिडोर का काम भी अब 24 घंटे चलेगा

- हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग पर स्टील ब्रिज कई हिस्सों में आएगा, जिसको भोपाल में ही जोड़ा जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मेट्रो का रानी कमलापति से एम्स तक के कॉरिडोर का काम अब चौबीस घंटे चलेगा।

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक के काम में तेजी लाने के लिए भी कंपनी ने चौबीस घंटे काम करवाया था। इसी तर्ज पर आगे का काम किया जा रहा है, जिससे नए वर्ष में मई-जून तक मेट्रो संचालन शुरू हो सके। वहीं हबीबगंज क्रासिंग पर लगने वाला स्टील ब्रिज को कई हिस्सों में लाया जा रहा है, जिसे भोपाल में जोड़कर क्रासिंग के ऊपर पिलर पर रखा जाएगा। रानी कमलापति से सुभाष नगर डिपो तक ट्रैक के बचे काम को भी पूरा किया जा रहा है। साथ में एम्स तक बायडक्ट काम पूरा होने के बाद ट्रैक बिछाने भी टेंडर प्रक्रिया हो चुकी है। इसलिए अब एम्स तक के काम को अब लगातार चौबीस घंटे किया जा रहा है।

स्टील ब्रिज के पार्ट्स आना हुए शुरू

मेट्रो के लिए हबीबगंज रेलवे क्रासिंग पर बन रहे स्टील ब्रिज का काम भी शुरू हो गया है। इसके पिलर बन गए हैं। जबकि राजस्थान अवर से ब्रिज को अलग-अलग पार्ट्स के रूप में लाया जा रहा है। इसके कई हिस्से आ चुके हैं। शेष पार्ट्स भी अगले माह तक आ जाएंगे। इससे उम्मीद है कि नए साल के शुरू में ब्रिज आकार लेने लगेगा।